

अपलाकनाथ एवं आदेशाथ

श्रीमान् सम्मान्य

हस्तगत प्रार्थनापत्र से संबंध  
मूल वाद आदेश 7 निग्रम 11  
सपठित द्वारा 15। सीपीसी के  
तहत खारेज (नामजूर) किया जा  
चुका है। अतः प्रार्थनापत्र मूल  
वाद के अभाव में विचारणअयोग्य  
है। अतः एतद्वारा अस्वीकार किया  
जाता है।

फैसला सरे इजलास सुनाया गया।

(AM)

15/9/24

(पवन कुमार)  
उपखण्ड अधिकारी  
अनूपगढ़

